

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



झारखण्ड के इतिहास में पहली बार
शिक्षा क्रांति में जुड़ा नया आयाम

80 उत्कृष्ट विधालय का हुआ दुभारण

प्रवेश
प्रारंभ



325 प्रखण्ड स्तरीय आदर्श विधालय | 4,091 ग्राम पंचायत स्तरीय आदर्श विधालय

अत्याधुनिक आधारभूत संरचना

CBSE मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम स्कूल

विज्ञान एवं भाषा लैब्स

डिजिटल स्मार्ट क्लास

सूचना प्रौद्योगिकी का मजबूत ढंचा

राष्ट्रीय स्तर का एवेल प्रशिक्षण



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

03 मई, 2023
वैशाख, शुक्र पक्ष, ऋद्धोदी
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, ग्रन्ट : ₹3.00

रांची

बुधवार, तर्फ 08, अंक 192

दिवालिया होने की
कागर पर गो फर्स्ट
दो दिनों के लिए रोकी
फ्लाइट बुकिंग

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



मुख्यमंत्री 80 उत्कृष्ट विद्यालयों के शुभारंभ समारोह में हुए शामिल

इस महीने के अंत तक 25 हजार शिक्षक होंगे नियुक्त : हेमंत सोरेन

- शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम जोड़ने की हो रही है कोरिश
- पढ़ाई में पैसा बाधा नहीं बने, इस निर्मित कई योजनाएं संचालित

आजाद सिपाही संवाददाता



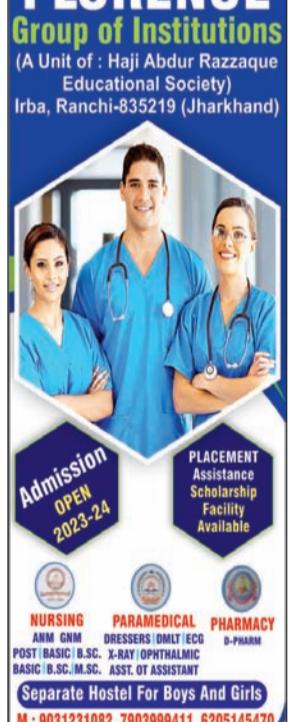
शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम जोड़ने की कोरिश

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम जोड़ने की कोरिश की है। नमारी सरकार ने वर्षों से लंबित पारा शिक्षणी की समस्याओं का समाप्त करना चाहा है। शिक्षा व्यवस्थाओं में सधारन समय की मार्ग है। आज प्रतियोगिता का दौर है। प्रतियोगिता के इस दौर में राज्य के स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को बेहतर शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम अपने तत्कालीन शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतों जी, जो अब हमारे वीच नहीं हैं। उनका भी शिक्षा की बेहतरी के लिए निरंतर प्रयास रहा है। हम उन्हें नमन करते हैं।

गरीबों को बेहतर शिक्षा देने की लिए भवितव्यता राशि हमारी सक्रिया है।

कराना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्रारंभिकताओं में से एक है। हमारी की संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति किया जाना प्रस्तावित है, परन्तु इस महीने के अंत तक 25 हजार नवनियुक्त शिक्षक राज्य के विभिन्न स्कूलों में पठन-पाठन के कार्य को सुदृढ़ करेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार की 80 उत्कृष्ट विद्यालयों का राज्यस्तरीय शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दिन शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आज 80 उत्कृष्ट विद्यालयों का राज्यस्तरीय शुभारंभ हुआ है। आने वाले समय में झारखंड में और 5 हजार विद्यालयों को उत्कृष्ट विद्यालय (स्कूल और ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में अपेक्षित किया जाएगा। सभी उत्कृष्ट विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकों को राज्य सरकार द्वारा आईएएम से सीबीएसी कोर्स के अनुरूप प्रशिक्षण दिलाया गया है।

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल को बैन करने का ऐलान किया

प्रधानमंत्री बोले : पहले श्रीराम को ताले में बंद किया, अब बजरंगबली की बारी है

आजाद सिपाही संवाददाता

बंगलुरु। कांग्रेस ने मंगलवार को कार्नाटक विधानसभा के लिए अपना घोषणा पत्र जारी किया। इसमें कांग्रेस ने सरकार बनने पर बजरंग दल जैसे संगठनों को बैन करना का बाबा किया है। इस पर बोले कि वे वर्ती ने जावाब दिए गए ग्रेजुएट को दो दो साल के लिए 3 हजार रुपये और डिप्लोमा होल्डर्स को 1,500 रुपये प्रति माह देने का ऐलान किया है। इसके अलावा राज्य सरकार की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा का भी बाबा किया है। वर्ती, कांग्रेस ने घोषणा पत्र को बंद करने की बात कह रहे।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में हर वर्ग को रिंजाने की कोशिश की है। कांग्रेस ने हर परिवार को

200 यूनिट मुफ्त बिजली, परिवार की प्रत्येक महिला मुख्याया को हर महीने 2 हजार रुपए देने की घोषणा की है। पार्टी ने यूथ वोर्टर्स को साधने के लिए बजरंग दल जैसे संगठनों को बैन करना का बाबा किया है। इसके तहत बोले कि वे वर्ती ने जावाब दिए गए ग्रेजुएट को दो दो साल के लिए 3 हजार रुपये और डिप्लोमा होल्डर्स को 1,500 रुपये प्रति माह देने का ऐलान किया है। इसके अलावा राज्य सरकार की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा का भी बाबा किया है। वर्ती, कांग्रेस ने घोषणा पत्र को बंद करने का बाबा किया है।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट विद्यालयों को नियुक्त किया जाएगा।

योग्यता के लिए उत्कृष्ट व



सीएम हेमंत सोरेन से मिले जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष



आजाद सिपाही संबाददाता

रांची। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देशभर में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मंगलवार को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ केंद्रीय की जनविरोधी सरकार के ललन सिंह ने झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की।

विपक्ष को मजबूत करने की मुहिम में बिहार के सीएम

बता दें कि विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में जुटे नीतीश कुमार अलग अलग राज्यों का दर्श कर रहे हैं। इसी कड़ी में उर्फ की पथ्थम बंगल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से कोलकाता जाकर मुलाकात की थी। इसके बाद लखनऊ में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष की एकजुटता पर चर्चा की थी। इसके बाद उत्तर उत्तर साथ विहार के झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष गठबंधन बनाने की कावयद का हिस्सा माना जा रहा है।

शिख सोरेन से जल्द मुलाकात करेंगे नीतीश

राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि जल्द ही नीतीश कुमार की मुलाकात के अध्यक्ष गठबंधन बनाने की कावयद का हिस्सा माना जा रहा है। रांची

अब चुनाव लड़ सकेंगे सिल्ली के पूर्व विधायक अमित महतो



हाइकोर्ट ने पाण्ठा नियोगी
अदालत का फैसला, खतियान
आधिकारी स्थानीय नीति की
मांग कर रहे हैं पूर्व विधायक

आजाद सिपाही संबाददाता

सिल्ली। सिल्ली के पूर्व विधायक की अमित महतो अब विधानसभा चुनाव लड़ सकेंगे। विधायिकी जाने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी को मैदान में तोतरा था। झारखण्ड हाइकोर्ट में निचले अदालत से मिली 2 साल की सजा को पलट दिया गया है। पूर्व विधायक अमित महतो को निचली अदालत से 2 वर्ष की सजा मिली थी। इस फैसले के बाद वह दोबारा चुनाव लड़ सकेंगे।

अमित महतो पर क्या है आरोप

अमित महतो पर सोनाहातू सीओ कार्यालय के धेशव के दौरान सीओ घायल हुए थे। इसी का आरोप उन पर लगा था। सोनाहातू में वर्ष 2006 में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। उसी मामले पर निचली अदालत ने उन्हें अधिकतम सजा दी थी। अमित महतो सिल्ली विधानसभा सीट से विधायक थे।

झारखण्ड हाइकोर्ट ने बदला फैसला

सजा को चुनाव देने वाली आचिका पर झारखण्ड हाइकोर्ट के अदालत के जरिये एस चंद्रशेखर और अस्टिस रत्नाकर बंगर की अदालत में सुनवाई की। अदालत ने निचली अदालत के 2 साल की सजा को 1 वर्ष की सजा में बदल दिया है।

आजसू पार्टी की चतरा जिला कमेटी भंग

रांची (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी ने चतरा जिला कमेटी के तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष सुदृढ़ महतो के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही नये सिरे से नयी कमेटी का गठन किया जाएगा,

रांची के लिए आजसू पार्टी की अधिकारी ने जिला कमेटी के प्रदेश कमेटी के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की। दूसरी जिला के रांची, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा एवं खुंटी जिला के एसएसपी, एसपी से जिला में लैंबित कांडों की समीक्षा की। इन जिलों में पुराने सभी लैंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। एसटी अल्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज कांडों के निष्पादन में तेजी लाने पर जो

चोरी, एनडीपीएस एक्ट एवं एसपी से अधिनियम के निर्देश दिया गया। सभी जिलों में एसपी से संबंधित करने का निर्देश दिया गया। जिले के अधिकारियों को सुधार की समीक्षा की गयी।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिले के अधिकारियों को लैंबित कांडों की स्थिति तथा कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान डीजीपी ने सीआइडी के द्वारा रांची क्षेत्र के लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी से संबंधित लैंबित कांडों की स्थिति कोयला चोरी रोकने के लिए आवश्यक विधायकों की समीक्षा की।

इसके पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश द

संपादकीय

कितने मुर्छिकल हैं सरहद के सवाल

दे श के नैसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने एक कार्यक्रम के दैरीन में चल रही चीनी गतिविधियों पर रोशनी डालते हुए जो कुछ बताया, उससे साफ़ है कि चीन की आक्रमकता में कोई कमी नहीं आयी है। नेवी चीफ के मुताबिक चीनी हरकतों के चलते उस समृद्ध क्षेत्र में रोज़ ही किसी रूप में संघर्ष होता है। ऐसे में उनका यह आकलन ठीक ही है कि अभी भले बात छोटे-मोटे टकरावों तक सीमित हो, युद्ध छिड़ने की आशंका से इनकार नहीं आयी है।

चीन ने जिस तरह से अब तक के तमाम समझौतों का उल्लंघन करते हुए सीमा पर एकतरफा ढंग से यथार्थित बदलने का प्रयास किया, उससे उस विश्वास को छोट पहुंच जो आपसी दिखते का आधार था।

राजनाथ सिंह से चीन की खरी-खरी सुनाने में कोई करम बाकी नहीं रही। चीन का जोर इस बात पर था कि सीमा पर जो भविष्यद है, उन्हें एक तरफ करके रिश्तों को सुधारने पर ध्यान दिया जाये। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया कि रिश्तों में सुधार की बात तब तक नहीं की जा सकती, जब तक सीमा पर गलवान थिङ्ट और भारत के बाहर रहने की चीज़ों की विश्वासीत बदलते हुए तनाव समाप्त न कर लिया जाये। चीन ने जिस तरह से अब तक के तमाम समझौतों का उल्लंघन करते हुए सीमा पर एकतरफा ढंग से यथार्थित बदलने का प्रयास किया, उससे चीनी दिखते की आधार था। ऐसे में सीमा पर बने हालात को नजरअंदाज करके रिश्तों को सुधारने का सुझाव नहीं स्वीकार किया जा सकता। लेकिन किसी भी तरह का गतिरोध बातचीत से ही दूरता है। इसीलिए भारत ने अपना पक्ष मजबूती से रखते हुए भी संवाद में कोई बाधा नहीं डाली। ऐससे अब भी बैठक के सिलसिले में अभी चीनी नेताओं का आना जरी रहेगा। जुलाई में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी आगे बढ़ते हैं। इस विश्वास का फायदा उठाते हुए बातचीत के जरिए सीमा विवाद की जटिलता कुछ कम की जा सकते हैं। वह दोनों देशों के लिए काफी देंदम होगा।

अभिमत आजाद सिपाही

हलाल-हिजाब जैसे मुद्दे या यहाँ तक कि टीपु सुल्तान की विरासत के ईर्द-गिर्द होने वाली बहसें कर्नाटक चुनाव में उतनी प्रभावशाली नहीं लगतीं, जितनी एक साल पहले राज्य चीनी साजनीति में थीं। यह कहना नहीं है कि हिंदू बिल्कुल जी नहीं है। सबसे खास बात यह है कि अगर भाजपा मुसलमानों के लिए खास बात करता है, तो चीनी रक्षा मंत्री नहीं है।

हलाल-हिजाब के मुद्दे कर्नाटक में बेअसर यही हुआ, जब कोर मतदाताओं को लगा कि उन्हें हल्के में लिया गया है। अपने कोर मतदाताओं को खुश रखना उतना ही जरूरी है, जितना स्विंग मतदाताओं को अपनी ओर खींचना। जब पार्टीयं अपनी विचारधारा का दावा नहीं करते तो उनका प्रताप हो जाता है। बाकी समाज में अपेक्ष शब्द को फैलाने के लिए कोई प्रेरित आधार नहीं है आप आदमी पार्टी का एक अच्छा उदाहरण है, जिसने 2011 में लोकपाल आंदोलन में अर्जित वैचारिक आधार को खत्म कर दिया। सिक्के का दूसरा पहलू तब होता है जब आप अपनी विचारधारा और अपने दावे में इन्हें डब जाते हैं कि विवेक मतदाता वास्तव में आप को अलग-थलग पाते हैं। आप इसे कम्युनिट पार्टीयों और यहाँ तक कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा के बारे में कह सकते हैं जिसके स्विंग मतदाता को खींचने के प्रयोग 2007 में थोड़े समय के लिए सफल हुए थे।

राजनीति बनाम विचारधारा : यही कारण है कि जब भाजपा हिंदूत्व को बढ़ा चढ़ाकर पेश करती है या जब वह इसे कमतर आंकते हैं तो यह वैचारिक आधार का स्विंग मतदाता को बीच विशेषाभास में हिंदूत्व को छोड़ता का वायदा किया गया था। जब हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था, तो चुनाव आगे बुलंद करता है, तो चुनाव आगे तौर पर कम से कम एक वर्ष दूर होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह हिंदूत्व को कमतर आंक रखा जाता है।

अधिकांश चुनावों के बारे में सकते हैं और भाजपा हिंदूत्व की कुछ सुर्खियां बटोरने वाले बयान देते, लेकिन चुनाव के समय चुनाव को समय होने पर ध्वीकरण कर्त्ता अधिक होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह चुनाव से पहले हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था। जब हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था, तो चुनाव आगे बुलंद करता है, तो चुनाव आगे तौर पर कम से कम एक वर्ष दूर होता है।

इसका उत्तर कोर और स्विंग मतदाताओं के बीच विशेषाभास में हिंदूत्व का प्रतिबद्धता का स्वावलम्बन नहीं होता। यह पूरी तरह रणनीति का मामला है। कोर मतदाता विचारधारा की सीधा नहीं है। सच वह है कि जब भाजपा हिंदूत्व को बढ़ा चढ़ाकर पेश करती है या जब वह इसे कमतर आंकते हैं तो यह वैचारिक आधार का स्विंग मतदाता को बीच विशेषाभास में हिंदूत्व को छोड़ता का वायदा किया गया था। जब चुनाव का समय नहीं होता तब भाजपा मूल बोट आधार को चार्ज करने का कार्य करती है। जब टेलीकोन के बायदों के माध्यम से कर्नाटक को अधिकांश चुनावों की ही बात करते हैं तो यह टेलीकोन के बायदों के माध्यम से कर्नाटक को अधिकांश चुनावों की ही बात करते हैं। जब टेलीकोन के बायदों के माध्यम से कर्नाटक को अधिकांश चुनावों की ही बात करते हैं तो यह टेलीकोन के बायदों के माध्यम से कर्नाटक को अधिकांश चुनावों की ही बात करते हैं।

अधिकांश चुनावों के बारे में सकते हैं और भाजपा हिंदूत्व की कुछ सुर्खियां बटोरने वाले बयान देते, लेकिन चुनाव के समय चुनाव को समय होने पर ध्वीकरण कर्त्ता अधिक होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था। जब हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था, तो चुनाव आगे बुलंद करता है, तो चुनाव आगे तौर पर कम से कम एक वर्ष दूर होता है।

अधिकांश चुनावों के बारे में सकते हैं और भाजपा हिंदूत्व की कुछ सुर्खियां बटोरने वाले बयान देते, लेकिन चुनाव के समय चुनाव को समय होने पर ध्वीकरण कर्त्ता अधिक होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था। जब हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था, तो चुनाव आगे बुलंद करता है, तो चुनाव आगे तौर पर कम से कम एक वर्ष दूर होता है।

अधिकांश चुनावों के बारे में सकते हैं और भाजपा हिंदूत्व की कुछ सुर्खियां बटोरने वाले बयान देते, लेकिन चुनाव के समय चुनाव को समय होने पर ध्वीकरण कर्त्ता अधिक होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था। जब हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था, तो चुनाव आगे बुलंद करता है, तो चुनाव आगे तौर पर कम से कम एक वर्ष दूर होता है।

अधिकांश चुनावों के बारे में सकते हैं और भाजपा हिंदूत्व की कुछ सुर्खियां बटोरने वाले बयान देते, लेकिन चुनाव के समय चुनाव को समय होने पर ध्वीकरण कर्त्ता अधिक होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था। जब हिंदूत्व की कृष्णता का वायदा किया गया था, तो चुनाव आगे बुलंद करता है, तो चुनाव आगे तौर पर कम से कम एक वर्ष दूर होता है।

अधिकांश चुनावों के बारे में सकते हैं और भाजपा हिंदूत्व की कुछ सुर्खियां बटोरने वाले बयान देते, लेकिन चुनाव के समय चुनाव को समय होने पर ध्वीकरण कर्त्ता अधिक होता है।

पिछले 2 आम चुनावों की ही बात कर रहे हैं। 2014 में गोदी अभियान विकास और अर्थिक प्रगति के वायदे के ईर्द-गिर्द केंद्रित था, जबकि 2019 का अभियान राष्ट्रीय सुधा और कल्याणी योगानों के ईर्द-गिर्द था। वह उत्तर प्रदेश का चुनाव हो गया था गुजरात का होने पिछले साल देखा कि किस तरह हिंद

